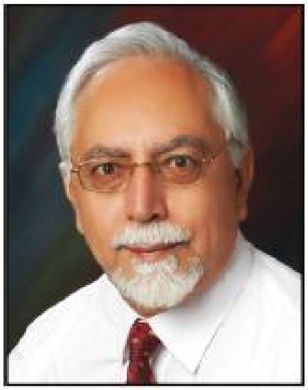

सुशील कुमार लिखी, सी एस बी

मैंबर, क्रिश्चियन सायँस बोर्ड ऑफ लेक्चरशिप

मकान नं: 153, सेक्टर 36-ए
चण्डीगढ़ - 160 036, भारत
दूरभाष: +91-172-2600844
ई-मेल: sushillikhi@yahoo.co.in

एक क्रिश्चियन सायँस प्रैक्टिशनर होने के नाते, सुशील लिखी अपना समय अध्ययन, प्रार्थना तथा उन की सहायता के लिए लगाते हैं जो उन्हें उपचार के लिए कहते हैं। इस कार्य के परिणामस्वरूप साँस की तकलीफ, मानसिक असंतुलन, हकलाने, बहरेपन, कान की इन्फेकशन, उच्च रक्त चाप, पुरानी खाँसी, चलने में कठिनाई, महावारी से जुड़ी कठिनाइयों, मौसमी तकलीफों जैसे जुकाम, आँख की इन्फेकशन, वायरल बुखार इत्यादि का उपचार हुआ। उन्होंनें उन की सहायता भी की जो बेरोजगारी तथा संबधों के साथ संघर्ष कर रहे थे।

क्रिश्चियन सायँस की तरफ सुशील का झुकाव 1975 में आरम्भ हुआ जब परिवार के एक सदस्य ने उन्हें "साँयस एंड हैल्थ विद् की टू दि स्क्रिपचर्स" नामक किताब दी। वे प्रार्थना के स्व-उपचारक तरीके को आज़माने के लिए प्रेरित हुए, जैसा कि किताब की लेखिका, मेरी बेकर एडी ने समझाया है। उनको इस तरीके से काफी उपचार प्राप्त हुए जिन में से एक गंभीर मलेरिया का भी था।

1993 में सुशील को भारत के लिए "कमेटी ऑन पब्लिकेशन" नियुक्त किया गया। इस पद पर रहते हुए उन्होंनें क्रिश्चियन सायँस के बारे में कई जन समूहों को भाषण दिए तथा वक्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं भी आयोजित की। वे क्रिश्चियन सायँस साहित्य का भारत की राष्ट्रीय भाषा-हिन्दी में अनुवाद को शुरू करवाने में भी सहायक थे।

अपने कैरियर के शुरू में इरीगेशन तथा हाइड्रोलिक्स (Irrigation and Hydraulics) में एम एस सी इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त करने के बाद सुशील ने तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षक की तरह कार्य किया। उन्होंने तकनीकी शिक्षकों के लिए सिविल इंजीनियरिंग (Civil Engineering) में 100 से भी अधिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण प्रोग्राम आयोजित किए तथा 500 से भी अधिक भाषण दिए उन्हें डेल्फ, नीदरलैंड (Delft The Netherlands) के हाइड्रोलिक्स तथा पर्यावरण इंजीनियरिंग के अन्तराष्ट्रीय संस्थान (The International Institute of Hydraulics and Environmental Engineering) से भी एक डिग्री प्राप्त हुई। उन्होंनें सिविल इंजीनियरिंग में किताबें भी लिखी तथा हाइड्रोलिक इंजीनियरिंग और पर्यावरण सुरक्षा (Hydraulics Engineering and Environmental Protection) पर बहुत से वीडियो प्रोग्राम भी बनाए।

चाहे उन्होंनें 2004 में इंजीनियरिंग कैरियर को पूरे समय क्रिश्चियन सायँस के उद्देश्य की सेवा करने के लिए त्याग दिया सुशील पर्यावरण सुरक्षा के प्रति वचनबद्ध हैं। वे बागबानी करना पसँद करते हैं तथा पौंधों, कीट पतगों, जानवरों तथा पक्षियों के कल्याण का ध्यान रखते हैं।

विषय

- सेहत आपका जन्म सिद्ध अधिकार है।
- विचार – हमारी पूर्ति के विश्वसनीय स्रोत्र
- कार्यस्थल में आध्यात्मिकता तथा नैतिक मूल्य